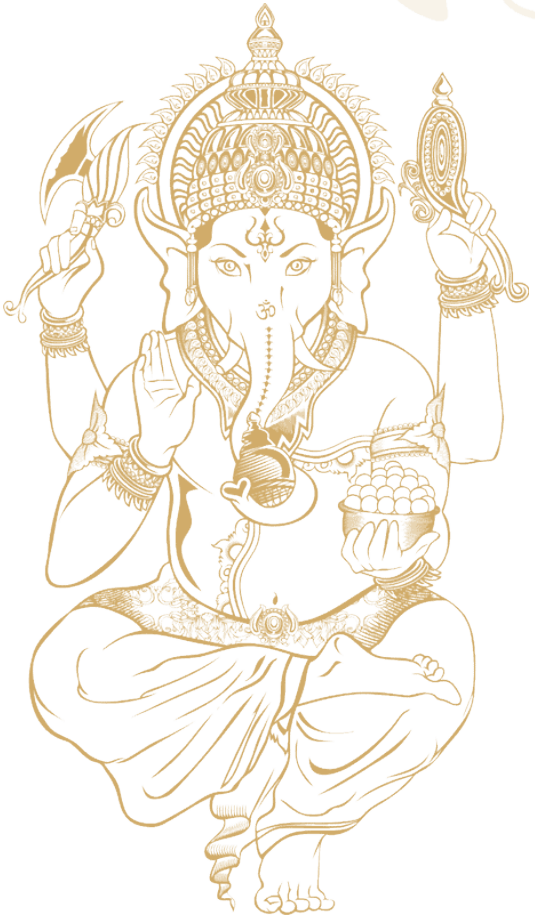

Mr.ritik

06 Dec 1999

10:16 AM

Ghaziabad

Model: web-freekundliweb

Order No: 121248009

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**06/12/1999**
दिन	सोमवार
जन्म समय	**10:16:00 घंटे**
इष्ट	08:12:03 घटी
स्थान	**Ghaziabad**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	28:40:00 उत्तर
रेखांश	77:26:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:20:16 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	09:55:44 घंटे
वेलान्तर	00:09:12 घंटे
साम्पातिक काल	14:53:53 घंटे
सूर्योदय	06:59:10 घंटे
सूर्यास्त	17:23:02 घंटे
दिनमान	10:23:51 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	19:45:02 वृश्चिक
लग्न के अंश	05:49:55 मकर

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मकर - शनि
राशि-स्वामी	**वृश्चिक - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**विशाखा - 4**
नक्षत्र स्वामी	गुरु
योग	सुकर्मा
करण	विष्टि
गण	राक्षस
योनि	व्याघ्र
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	विप्र
वश्य	कीटक
वर्ग	सर्प
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	तो-तोरल
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	धनु

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मक	05:49:55	397:43:53	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	बुध	---
सूर्य			वृश्चि	19:45:02	01:00:55	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	शुक्र	मित्र राशि
चंद्र			वृश्चि	00:50:08	11:56:41	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	मंगल	नीच राशि
मंगल			मक	13:45:13	00:46:13	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	राहु	उच्च राशि
बुध			तुला	29:48:42	01:12:04	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	चंद्र	मित्र राशि
गुरु	व		मेष	01:31:11	00:02:59	अश्विनी	1	1	मंगल	केतु	शुक्र	मित्र राशि
शुक्र			तुला	06:26:34	01:09:49	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	चंद्र	मूलत्रिकोण
शनि	व		मेष	17:38:52	00:03:42	भरणी	2	2	मंगल	शुक्र	मंगल	नीच राशि
राहु	व		कर्क	11:07:47	00:10:24	पुष्य	3	8	चंद्र	शनि	चंद्र	शत्रु राशि
केतु	व		मक	11:07:47	00:10:24	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	मंगल	शत्रु राशि
हर्ष			मक	19:48:52	00:02:07	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	केतु	---
नेप			मक	08:30:03	00:01:39	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
प्लूटो			वृश्चि	16:36:54	00:02:20	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	गुरु	---
दशम भाव			तुला	22:05:04	--	विशाखा	--	16	शुक्र	गुरु	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:51:07

लग्न-चलित

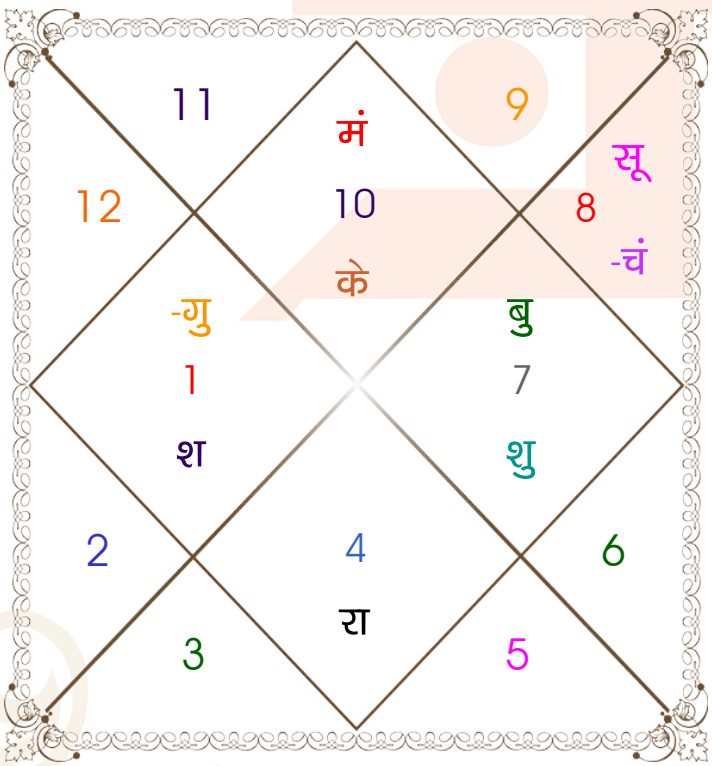

चन्द्र कुंडली

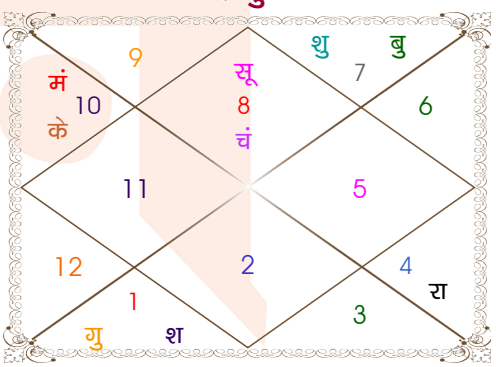

नवमांश कुंडली

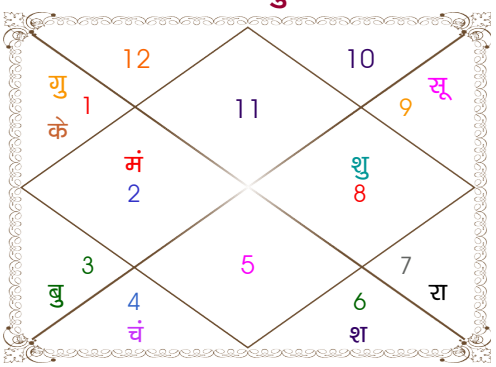

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 2 वर्ष 11 मास 29 दिन

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
06/12/1999		05/12/2002		04/12/2021		05/12/2038		04/12/2045	
05/12/2002		04/12/2021		05/12/2038		04/12/2045		04/12/2065	
	00/00/0000	शनि	08/12/2005	बुध	02/05/2024	केतु	03/05/2039	शुक्र	05/04/2049
	00/00/0000	बुध	17/08/2008	केतु	29/04/2025	शुक्र	02/07/2040	सूर्य	05/04/2050
	00/00/0000	केतु	25/09/2009	शुक्र	28/02/2028	सूर्य	07/11/2040	चंद्र	05/12/2051
	00/00/0000	शुक्र	25/11/2012	सूर्य	04/01/2029	चंद्र	08/06/2041	मंगल	03/02/2053
	00/00/0000	सूर्य	07/11/2013	चंद्र	05/06/2030	मंगल	04/11/2041	राहु	04/02/2056
	00/00/0000	चंद्र	08/06/2015	मंगल	02/06/2031	राहु	23/11/2042	गुरु	05/10/2058
	06/12/1999	मंगल	17/07/2016	राहु	20/12/2033	गुरु	29/10/2043	शनि	04/12/2061
मंगल	11/07/2000	राहु	24/05/2019	गुरु	27/03/2036	शनि	07/12/2044	बुध	04/10/2064
राहु	05/12/2002	गुरु	04/12/2021	शनि	05/12/2038	बुध	04/12/2045	केतु	04/12/2065

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
04/12/2065		05/12/2071		04/12/2081		04/12/2088		06/12/2106	
05/12/2071		04/12/2081		04/12/2088		06/12/2106		00/00/0000	
सूर्य	24/03/2066	चंद्र	04/10/2072	मंगल	03/05/2082	राहु	17/08/2091	गुरु	23/01/2109
चंद्र	23/09/2066	मंगल	05/05/2073	राहु	21/05/2083	गुरु	10/01/2094	शनि	06/08/2111
मंगल	29/01/2067	राहु	04/11/2074	गुरु	26/04/2084	शनि	16/11/2096	बुध	11/11/2113
राहु	23/12/2067	गुरु	05/03/2076	शनि	05/06/2085	बुध	05/06/2099	केतु	18/10/2114
गुरु	10/10/2068	शनि	05/10/2077	बुध	02/06/2086	केतु	24/06/2100	शुक्र	18/06/2117
शनि	22/09/2069	बुध	06/03/2079	केतु	29/10/2086	शुक्र	25/06/2103	सूर्य	06/04/2118
बुध	30/07/2070	केतु	05/10/2079	शुक्र	29/12/2087	सूर्य	18/05/2104	चंद्र	06/08/2119
केतु	05/12/2070	शुक्र	05/06/2081	सूर्य	05/05/2088	चंद्र	17/11/2105	मंगल	07/12/2119
शुक्र	05/12/2071	सूर्य	04/12/2081	चंद्र	04/12/2088	मंगल	06/12/2106		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 3 वर्ष 0 मा 3 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

ज्योतिषीय आकृति से यह स्पष्ट हो रहा है कि आपका जन्म उत्तराषाढ़ नक्षत्र के तृतीय चरण में मकर लग्न में हुआ है। आपके जन्म काल मेदिनीय क्षितिज पर मकर लग्न के साथ-साथ कुंभ नवमांश एवं मकर राशि का द्रेष्काण भी उदित था। इस ग्रह संयोजन के फलस्वरूप यह परिलक्षित हो रहा है कि आपका जन्म उन्नतमुखी प्रतिज्ञा का निरूपण कर रहा है, परंतु आपके जीवन के लघु मानसिक प्रवृति यह है कि आप जन सामान्य के साथ जो व्यवहार करेंगे। वह व्यवहार जैसे सिंह मनुष्य के साथ करता है, वैसा प्रतीत होता है। आप घर में भी एक प्रशासक प्रवृति से भूमिका निभाएंगे। आप मानवीय स्वभाव से निश्चित रूपेण अपनी पत्नी के वशीभूत रहेंगे।

इसका मुख्य कारण यह है कि आपका विवाह विलम्ब से हो ऐसी संभावना है तथा तथ्य यह है कि आप व्यक्तिगतरूप से झगड़ा विवाद करने वाले नहीं है। परंतु आप संतुलित प्राणी है। आप सदैव किसी भी वाद-विवाद विहीन परिस्थिति तथा शांति पूर्वक जीवन बिताने की अभिलाषा रखते हैं। यद्यपि आप अपनी पत्नी एवं संतान के लिए अत्यंत ही सुकोमल दृष्टिकोण के प्राणी हैं तथा उन्हें समृद्धिवान करने एवं स्वच्छन्दता पूर्वक जीवन व्यतीत करने के लिए आकांक्षी है।

आप एक चतुर व्यक्ति हैं एवं आप अपने जीवन में उच्चता प्राप्त करेंगे। आप एक धर्मात्मा है तथा आप निर्विघ्न जीने की नीति में विश्वास करते हो। आप अकस्मात् प्रेम उत्पन्न कर लेते हैं तथा आप अच्छी मित्र मंडली बना लेते हो। आप में समुचित प्रत्यक्षज्ञान शक्ति विद्य मान है। अतः लोग आपके पास निर्देशन प्राप्त करने आते हैं। आप सर्वथा गायन, नृत्य द्वारा आनंद प्राप्त करने के लिए संपर्क साधन करते हो।

आप उच्च कोटि के धार्मिक प्राणी हैं। आप जीवन का अध्ययन कर समय-समय पर धर्म स्थलों का परिभ्रमण करेंगे। आप सदैव सहृदयतापूर्वक दान सेवी संस्थाओं को दान-प्रदान करेंगे।

आप की इच्छा के अनुरूप कार्य व्यवसाय भूमि से संबंधित अनुकूल होगा। यथा सिंचाई कार्य, खनिज व्यवसाय, वास्तु कला, अभियांत्रिकी एवं सविल कॉन्ट्रेक्टर का कार्य आदि। आप विश्वासपूर्वक संस्था के संचालक अथवा मध्यस्थता (दलाली) कार्य अथवा निर्यातिक व्यवसाय कर सकते हो।

आप अपने जीवन में अधिकांश समय तक निशंक होकर स्वस्थ एवं प्रसन्नतम जीवन व्यतीत करेंगे। परंतु आपको अपने शरीर को जख्मी होने के प्रति सुरक्षा बरतनी होगी। आपको उछल कूद करने तथा ऊपर से नीचे जाने के प्रति सर्तक रहना चाहिए। आपको अपने पाचन पद्यति के प्रति सदैव सतर्क रहना पड़ेगा।

आप व्यक्तिगत रूप से उच्चकोटि के महत्वकांक्षी प्राणी हैं। आप धन संचय करने की योजना बनाकर स्पष्ट रूप से धन प्राप्ति करने में सफलता प्राप्त करेंगे। आप यदि

निम्नांकित निर्देशन का अनुपालन करें तो निश्चित रूप से सुगमता पूर्वक अग्रसर हो सकते हैं।

आपके लिए अंकों में अनुकूल अंक 6, 8 एवं 9 अंक हैं। परंतु अंक 3 सर्वथा त्यागनीय है, क्योंकि ये अंक आपके लिए प्रतिकूल हैं।

आपके लिए रंगों में सहायक रंग सफेद, काला, नीला एवं लाल रंग अनुकूल रंग हैं। परंतु रंग क्रीम एवं पीला रंग स्पष्ट रूप से आपके लिए प्रतिकूल है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में अनुकूल एवं भाग्यशाली दिन बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन व्यवहारणीय है, परंतु सोमवार, गुरुवार एवं रविवार का दिन आपके लिए प्रतिकूल चिंताकारक एवं व्ययकारक है।